भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1534
दिनांक 10 फरवरी, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सर्वाइकल कैंसर के बढ़ते मामले

1534. श्री उन्मेश भय्यासाहेब पाटिल:
डॉ. सुजय विखे पाटील:
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:
डॉ. हिना विजयकुमार गावीत:
श्री कृष्णपालसिंह यादव:
प्रो. रीता बहुगुणा जोशी:

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास उन महिलाओं की संख्या के संबंध में आंकड़े हैं जो सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित हैं अथवा जिनमें इससे पीड़ित होने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वाइकल कैंसर के बारे में सूचना और जागरूकता का प्रसार करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है;
(ग) क्या सरकार का सर्वाइकल कैंसर के टीके चरणबद्ध तरीके से शुरू करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार का लोगों में टीके को लेकर हिचकिचाहट को कम करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम शुरू करने का विचार है; और
(ड) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ. भारती प्रविण पवार)

(क): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद- राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम (आईसीएमआर-एनसीआरपी) के अनुसार, 2022 में देश में सर्वाइकल कैंसर के मामलों की अनुमानित संख्या 79,103 है।

(ख): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के भाग के रूप में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर और संसाधन सीमा के अध्यधीन राष्ट्रीय कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और आघात रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है । तीन सबसे सामान्य प्रकार के कैंसर (ओरल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर और सर्वाइकल कैंसर) एनपीसीडीसीएस का एक अभिन्न अंग हैं। यह कार्यक्रम कैंसर की रोकथाम, शीघ्र निदान, प्रबंधन और कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के उपचार

के लिए उचित स्तर के स्वास्थ्य केंद्रों को रेफरल के लिए बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य संवर्धन और जागरूकता सृजन पर ध्यान केंद्रित करता है।

एनएचएम के तहत और व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के एक हिस्से के रूप में देश में सामान्य एनसीडी जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप और सामान्य कैंसर की रोकथाम, नियंत्रण और स्क्रीनिंग के लिए जनसंख्या आधारित पहल शुरू की गई है। इस पहल के तहत, 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को तीन सामान्य कैंसर यानी ओरल, ब्रेस्ट और सर्वाईकल के लिए उनकी स्क्रीनिंग के लिए लक्षित किया जाता है। इन सामान्य कैंसर की स्क्रीनिंग आयुष्मान भारत - स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों के तहत सेवा प्रदायगी का एक अभिन्न अंग है।

आयुष्मान भारत स्वास्थ्य आरोग्य केंद्र योजना के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के तहत आरोग्यता संबंधी क्रियाकलापों को बढ़ावा देकर और सामुदायिक स्तर पर लक्षित संचार द्वारा कैंसर के निवारक पहलू को मजबूत किया जाता है । कैंसर के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए अन्य पहलों में राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस और विश्व कैंसर दिवस को मनाने और निरंतर सामुदायिक जागरूकता के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग शामिल है। इसके अलावा, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के माध्यम से स्वास्थवर्धक भोजन को भी बढ़ावा दिया जाता है। फिट इंडिया अभियान युवक कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जाता है, और आयुष मंत्रालय द्वारा योग संबंधी विभिन्न क्रियाकलाप किए जाते हैं। इसके अलावा, एनपीसीडीसीएस अपनी कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों उनके द्वारा कैंसर के लिए जागरूकता सृजन (आईईसी) क्रियाकलापों हेतु एनएचएम के तहत वित्तीय सहायता देता है।

(ग) से (ङ): राष्ट्रीय तकनीकी प्रतिरक्षण सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) ने सार्वभौमिक प्रतिरक्षण कार्यक्रम (यूआईपी) के तहत सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) वैक्सीन शुरू करने की सिफारिश की है।

*****